नमस्कार पाठको,

"में आपकी प्रियांशी जैन ! मेंरी पहली किताबे " **कुंवारी हवेली** " और "**सफेद लाश**" को इतना प्यार देने के लिए आपका शुक्रिया.मेरी उम्मीद से ज्यादा आप लोगो ने मेरी इन किताबो को सराहा और प्यार दिया ! इसी प्यार से प्रेरित होकर में आपके सामने अपनी एक और किताब लेकर आयी हूं , उम्मीद है कि यह किताब भी आपको पसंद आएगी और इस किताब को भी आपका ढेर सारा प्यार मिलेगा."

आपकी

प्रियांशी जैन